ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 21-05-2024

जालौर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-05-21 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-05-22	2024-05-23	2024-05-24	2024-05-25	2024-05-26
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	45.0	46.0	46.0	46.0	46.0
न्यूनतम तापमान(से.)	31.0	31.0	32.0	32.0	32.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	38	35	50	51	56
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	10	10	11	12	10
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	18	19	21	22	26
पवन दिशा (डिग्री)	245	240	243	248	247
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में दिन के तापमान में बढ़ोतरी होने, मध्यम आपेक्षिक आद्रर्ता के साथ मध्यम गति की हवाएँ चलने, ज्यादातर साफ़ आसमान के साथ वर्षा नहीं होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा हैं तथा आगामी रबी के मौसम में जीरा की फसल लगाना चाहते हैं तो उन खेतों में सरसों के फसल अवशेष 2.5 टन व 500 किलोग्राम सरसों की खली प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करके मिट्टी पलटने वाले हल से अच्छी तरह मिट्टी में मिला देवें तथा खेत में सिंचाई कर देवें। फसल अवशेष व सरसों की खली के सड़ने से जो बायोटॉक्सिक वाष्पशील निकलते हैं उससे जीरे की फसल में लगने वाली उखटा रोग की फफूंद खत्म हो जाती हैं यह कार्य अधिक तापमान के समय मई माह में करना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होने, साफ़ आसमान के साथ वर्षा नहीं होने की संभावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	कपास की बुवाई के लिये उन्नत किस्मों (जैसे आर.जी. 8, आर.जी. 18, राज.डी.एच. 9, एच.डी. 123, आर.जी. 542) का 12 किलोग्राम बीज प्रति हैक्टेयर की दर से काम में लेवें। बीजो को बुवाई से पूर्व ट्राईकोडर्मा हरजेनियम या स्यूडोमोनास फ्लुरोसेन्स 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके ही बुवाई करें। बुवाई के समय कतार से कतार की दुरी 67.5 सेंटीमीटर (2.25 फीट) अवश्य रखें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	कपास की बुवाई से पूर्व पोषकतत्वों की आधारभूत आवश्यकता के रूप में 80 किलोग्राम यूरिया तथा 43 किलोग्राम डीएपी मृदा में 06 से 08 सेंटीमीटर गहराई में ड्रिल करने के बाद ही बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बेर	किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि बेर के पौधों में कटाई-छंटाई का उचित समय शुरु हो गया है। मई माह के अंत तक कटाई छंटाई कर देनी चाहिये क्योंकि इसकी कक्ष से जो नये प्ररोह निकलते है उन्ही पर फूल एवं फल लगते है । कृन्तक करते समय रोगग्रस्त सूखी एवं आपस में रगड़ खाती टहनियों को हटा देवें ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि पशुओ को संतुलित आहार देवें जिससे उनकी दुध उत्पादन क्षमता बनी रहें। पालतू पशुओ को तेज धूप में घर से बाहर न निकाले और उनके लिए साफ पीने के पानी की व्यवस्था करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	सफेद मक्खी खरीफ फसलों का प्रमुख कीट हैं तथा मई- जून माह में विलायती बबूल पर जीवित रहता हैं अतः किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि सफेद मक्खी के प्रबंधन एवं नियंत्रण के लिये विलायती बबूल की कटाई छंटाई अवश्य करें।
सामान्य सलाह	किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि वर्षाऋतू में नये फलवृक्षों को लगाने के लिए खड्डे खोदने का उपयुक्त समय है। जिससे की खड्डों में उपस्थित कीड़े-मकोड़े, कीटो के अंडे, प्यूपा तथा खरपतवारों के बीज सूर्य की तेज धूप में नष्ट हो जायेंगे।
सामान्य सलाह	कातरा मूँग तथा मोठ की बुवाई से पूर्व खेत के चारो ओर खड़े खरपतवारों पर रहता हैं अतः किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि कातरा के प्रभावी प्रबंधन के लिए खेत की मेड़ो पर उगे हुये खरपतवारों को उखाड़कर नष्ट कर देवें।